PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

लिंग

- लिंग का शाब्दिक अर्थ 'चिह्न' होता है।
- संज्ञा के जिस चिह्न या रूप से यह बोध हो कि अमुक शब्द (दिया गया शब्द) पुरुष जाति का है या स्त्री जाति का उसे लिंग कहते हैं।

  जैसे-

  लड़का-लड़की, नर-नारी, भाई-बहन आदि।
- हिन्दी में लिंग के भेद- हिन्दी भाषा में लिंग के दो भेद होते हैं-

  (i) पुल्लिंग

  (ii) स्त्रीलिंग
- नोट- हिन्दी भाषा में नपुंसक लिंग (जड़) नहीं होता है जबकि अन्य भाषाओं में नपुंसकलिंग (जड़) लिंग के तीसरे भेद के रूप विद्यमान है।

(i) पुल्लिंग-

जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं।

जैसे-

आचार्य, लड़का, कुम्हार, संसार, समुदाय, लाला, ठठेरा, किन्नर, अपरिग्रह, भव, भगवान, तपस्वी, गायक आदि।

(ii) स्त्रीलिंग

जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।

जैसे-

मोहनी, चूड़ी. साड़ी, चप्पल आदि

अर्थ के आधार पर लिंग निर्धारण-

- कुछ शब्द अर्थ की दृष्टि से समान होते हुए भी लिंग की दृष्टि से भिन्न होते हैं

जैसे -

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
कवि	कवित्री
विद्वान	विदुषी
मर्द	औरत
वर	वधू
वीर	वीरांगना
साधु	साध्वी
दूल्हा	दुल्हन
नर	नारी
बैल	गाय
राजा	रानी
पुरुष	स्त्री
युवक	युवती
पिता	माता
ससुर	सास
बादशाह	बेगम

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाने के प्रमुख नियम

- शब्दान्त 'अ' को 'आ' मे बदलकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
छात्र	छात्रा
पूज्य	पूज्या
वृद्ध	वृद्धा
भवदीय	भवदीया
अनुज	अनुजा

- शब्दांत 'अ' को 'ई' मे बदलकर

पुलिंग	स्त्रीलिंग
देव	देवी
पुत्र	पुत्री
मेंढक	मेंढकी
दास	दासी
ब्राह्मण	ब्राह्मणी
पहाड़	पहाड़ी

- शब्दात 'आ' को 'ई' मे बदलकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नाना	नानी
लड़का	लड़की
घोड़ा	घोड़ी
बेटा	बेटी
चाचा	चाची

'आ' अंत वाले शब्दों में 'आ' का लोप हो जाता है और उनके स्थान पर 'ई' प्रत्यय लग जाता है।

- शब्दान्त 'आ' को 'इया' में बदलकर

पुलिंग	स्त्रीलिंग
बूढ़ा	बुढ़िया
चूहा	चूहिया
कुत्ता	कुतिया
डिब्बा	डिबिया
बेटा	बिटिया
लोटा	लुटिया

- प्रत्यय 'अक' को 'इका' मे बदलकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
बालक	बालिका
लेखक	लेखिका
नायक	नायिका
पाठक	पठिका
गायक	गायिका
विधायक	विधायिका

- शब्दांत मे 'आनी' प्रत्यय लगाकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
देवर	देवरानी
सेठ	सेठानी
चौधरी	चौधरानी
भव	भवानी

- शब्द के अन्त मे 'नी' प्रत्यय लगाकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
शेर	शेरनी
मोर	मोरनी
जाट	जाटनी
सिंह	सिंघनी

- शब्दांत मे 'ई' के स्थान पर 'इनी' लगाकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
हाथी	हाथिनी
स्वामी	स्वामिनी

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

तपस्वी	तपस्विनी
हंस	हंसिनी

- शब्दांत मे 'इन' प्रत्यय लगाकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
माली	मालिन
कहार	कहारिन
धोबी	धोबिन

- शब्दांत 'वान' के स्थान पर 'वती' लगाकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
गुणवान	गुणवती
भगवान	भगवती
भाग्यवान	भाग्यवती
पुत्रवान	पुत्रवती
बलवान	बलवती
सत्यवान	सत्यवती

- 'मान' के स्थान पर 'मती' लगाकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
श्रीमान	श्रीमती
आयुष्मान	आयुष्मती
बुद्धिमान	बुद्धिमती
शक्तिमान	शक्तिमती

- शब्दांत 'ता' के स्थान पर 'त्री' लगाकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
कर्ता	कर्त्री
दाता	दात्री
नेता	नेत्री
विधाता	विधात्री

- शब्द के पूर्व में 'मादा' शब्द लगाकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
खरगोश	मादा खरगोश
भालू	मादा भालू
भेड़िया	मादा भेड़िया
गैंडा	मादा गैंडा

- शब्द के पूर्व में 'नर' लगा कर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नर मक्खी	मक्खी
नर कोयल	कोयल
नर चील	चील
नर छिपकली	छिपकली

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090